University in News on 31 January 2025

JAGRAN CITY PAGE III

नए सत्र से कामन एडमिशन पोर्टल से प्रवेश

शासन के आदेश पर लवि के कुलसचिव ने सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशकों से कल तक मांगे सुझाव

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2025-26 के सभी दाखिले समर्थ कामन एडमिशन पोर्टल के माध्यम से लिए जाएंगे। शासन के आदेश पर कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, निदेशक एवं समन्वयकों से इस पर एक फरवरी तक सुझाव देने के लिए कहा है। प्रवेश के लिए आवेदन का प्रारूप कैसा होगा ? इस पर भी सुझाव मांगे गए हैं। इस संबंध में गुरुवार को उन्होंने पत्र जारी किया।

अभी तक लवि अपने स्तर से स्नातक, परास्नातक सहित सभी पाठ्यक्रमों में आनलाइन आवेदन लेता है। फिर प्रवेश परीक्षा एवं मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जाते हैं। अब नए सत्र से इस व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है।

इसके तहत शासन ने सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया समर्थ के माध्यम से राज्य संयुक्त प्रवेश पोर्टल के 'कामन एडमिशन फार्म' पर सुझाव व फीडबैक देने के लिए कहा है। इसी क्रम में लवि के कुलसचिव ने प्रवेश पोर्टल में विद्यार्थियों द्वारा भरे जाने वाले फार्म का प्रारूप भी सुझाव के लिए प्रेषित किए गए हैं।

इस फार्म में सभी ऐसी जानकारी जो शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के एकेडमिक जीवन को सुगम बनाने के लिए अपेक्षित हैं। ऐसी कोई भी छात्रहित की जानकारी, ड्राफ्ट में किसी प्रकार के बदलाव आदि करने के सुझाव और फीड बैक दिए गए लिंक https://forms.gle/X469kdzkuzGz9FrR6 पर अपलोड करना है।

साथ ही ई-मेल आइडी registrar@lkouniv.ac.in पर भी एक फरवरी तक उपलब्ध कराना होगा।

मलेशिया और ओमान में भी शोध कर सकेंगे विद्यार्थी

जासं • लखनऊ : लवि के छात्र-छात्राएं ओमान के सोहर विश्वविद्यालय और मैनेजमेंट एंड साइंस यूनिवर्सिटी, सेलंगोर मलेशिया में भी शिक्षा एवं शोध के लिए जा सकेंगे। यह सुविधा वहां के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लवि आने पर मिलेगी। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गोवा में आयोजित क्यू एस इंडिया समिट में दोनों विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह जानकारी उन्होंने अपने एक्स पर साझा की। उन्होंने बताया कि इस समझौते से लवि व दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में काफी फायदा मिलेगा। शैक्षणिक व संकाय आदान-प्रदान और संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। हमारा प्रयास है लवि की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो। इसके लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया जा रहा है।

स्वयम पोर्टल से ही पढ़ाया जाएगा 40 प्रतिशत कोर्स

जासं • लखनऊ : शासन की ओर से निर्धारित न्यूनतम 40 प्रतिशत कोर्स अब स्वयम पोर्टल के माध्यम से ही पढ़ाया जाएगा। यह जानकारी ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में गुरुवार को आयोजित स्वयम दिवस के अवसर पर नोडल अधिकारी डा. रुचिता सुजाय चौधरी ने दी। इस अवसर पर सभी विभागों में स्वयम दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों को स्वयम पोर्टल और आनलाइन कोर्स के बारे में जानकारी दी गई।

डा. रुचिता सुजाय चौधरी ने बताया कि सरकार आनलाइन स्वयम पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य आनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा रही है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डा. काजिम रिजवी ने बताया कि विभाग के विद्यार्थी अब आनलाइन शिक्षा का लाभ घर बैठे एक क्लिक पर ले सकते हैं। विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. शचींद्र शेखर ने बताया कि सभी विद्यार्थी स्वयम पोर्टल के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं, जिसकी परीक्षा और मूल्यांकन नोडल केंद्र पर किया जा सकेगा। अंग्रेजी विभाग के डा. हारून रशीद ने कहा कि स्वयम पोर्टल के माध्यम से वे विभिन्न विषयों में आनलाइन पाठ्यक्रम कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं और अपनी शिक्षा को और अधिक सशक्त बना सकते हैं। डा. चितवन मिश्रा ने बताया कि स्वयम पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं पत्रकारिता, मानविकी, समाजशास्त्र, विज्ञान, कला और अन्य विभिन्न विषयों में कोर्स कर सकते हैं, जिनसे उन्हें प्रमाणपत्र प्राप्त होता है।

विद्यार्थियों ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण : भाषा विश्वविद्यालय में स्थापित फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों ने शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत अलीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने दवा वितरण, बायो मेडिकल अपशिष्ट उपचार से लेकर मरीजों में औषधि प्रशासन की जानकारी ली। विद्यार्थियों के साथ सहायक आचार्य विनोद कुमार गौतम, एहतेशाम अहमद, कार्तिकेय प्रकाश, अर्चिता तिवारी एवं अपेक्षा सिंह भी उपस्थित रहे। संकाय की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को इस तरह की शैक्षिक गतिविधियों में आगे भी प्रतिभाग के लिए प्रोत्साहित किया।

सभी विभाग तैयार करें मूक कोर्सों की विषय एवं पेपरवार सूची

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागों को सम सेमेस्टर के लिए स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स (मूक) पाठ्यक्रमों की विभागवार स्नातक व परास्नातक के विषय, पेपरवार पाठ्यक्रमों की सूची तैयार करनी होगी। इसके लिए एक फरवरी तक समय दिया गया है। इसे तैयार करने के बाद ई-मेल swayam-uol-0524@lkouniv.ac.in पर registrar@lkouniv.ac.in पर भेजना होगा। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी विभागाध्यक्षों, निदेशक एवं समन्वयकों को गुरुवार को निर्देश जारी किए हैं।

आनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय भी अपने विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए स्वयम मूक्स को अपनाने पर जोर दे रहा है। इसके तहत विद्यार्थी अपने संबंधित पाठ्यक्रमों में स्वयम मूक्स के माध्यम से प्रति सेमेस्टर अपने क्रेडिट का 40 प्रतिशत तक अर्जित कर सकते हैं। इसी क्रम में सभी विभागों से स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध मूक पाठ्यक्रमों की विभागवार स्नातक, परास्नातक विषयों के पेपर आदि की सूची मांगी गई है, जो संबंधित विषयों एवं पेपरों से मेल खाते हों। इसे एकेडमिक काउंसिल भी रखा जाएगा।

कृत्रिम इंप्लांट भी जोड़ेगा टूटी हड्डियां, संक्रमण से भी होगा बचाव

अखिल सक्सेना • जागरण

लखनऊ : अब हड्डी टूटने पर कृत्रिम इंप्लांट उसे जोड़ने का काम करेगा। इसकी खास बात ये है कि शरीर के आसपास की कोशिकाओं को बिना नुकसान पहुंचाए हड्डी के विकास में मददगार होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने अपनी टीम के साथ मिलकर बीटा-त्रिकैल्शियम फास्फेट युक्त बायो कंपोजिट (सिरेमिक नैनोकंपोजिट) तैयार करने में यह सफलता पाई है। हाल ही में इस शोध को नेचर ग्रुप के जर्नल 'साइंटिफिक रिपोर्ट' में प्रकाशित किया गया है।

भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रफेसर डा. सीआर गौतम ने बताया कि अपनी टीम में शामिल सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, डा. श्वेता, सविता कुमारी और डा. जायरीन फातिमा के साथ मिलकर हड्डियों को जोड़ने के लिए बीटा-त्रिकैल्शियम फास्फेट युक्त बायोकंपोजिट मैटेरियल तैयार करके एक अच्छा मजबूत अर्टिफिशियल (कृत्रिम) इंप्लांट बनाया गया है। उनका कहना है कि सामान्य तौर पर मेटल इंप्लांट में जंग लगने की संभावना होती है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। एक समय के बाद इसे शरीर से निकालना भी पड़ता है, जबकि, बीटा-टीसीपी युक्त बायोकंपोजिट मैटेरियल जंग रहित पदार्थ है। यह पोरस कंपोजिट आसपास की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना हड्डी के विकास के लिए भी उपयुक्त है। इसके साथ यह जीवाणु संक्रमण और कैंसर से भी बचाता है।

धातु की राड से होती है ये दिक्कत : एसोसिएट प्रोफेसर डा.गौतम के अनुसार जब लोगों को फ्रैक्चर के बाद हड्डी के प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है, तो अक्सर धातु की राड लगाई जाती है, लेकिन धातु की राड मूल हड्डी को दोबारा विकसित होने में मदद नहीं करती। सिरेमिक इंप्लांट सैद्धांतिक रूप से पारंपरिक धातुओं का एक आदर्श विकल्प है, क्योंकि बायोकंपोजिट मैटेरियल मूल हड्डी की जगह ले सकता है और हड्डी फिर से विकसित हो सकती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से कृत्रिम इंप्लांट्स तैयार करने वालों में (बाएं से दाएं) रजत मिश्रा, डा. एजाज हुसैन, सर्वेश अविनाशी डा. सीआर गौतम, डा. जायरीन फातिमा, डा. श्वेता, सविता कुमारी • क्रिमाव

संश्लेषित शुद्ध बीटा टीसीपी पाउडर

इसका पाउडर भी फायदेमंद

शोध के अनुसार हड्डी का कोई टुकड़ा अलग हो जाने की स्थिति में इसका प्रयोग पाउडर के रूप में किया जा सकता है। इस पाउडर को टूटी हुई हड्डी में भरकर जोड़ा जा सकता है। इस शोध में एनआइटी राउरकेला के डिपार्टमेंट आफ लाइफ साइंस की न्यूरल डेवलपमेंट बायोलाजी लैब की डा. मोनालिसा मिश्रा, शोधार्थी सुरजीता साहू, वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. नीरज मेहता, शोधार्थी सचिन कुमार यादव और लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की प्रो. मोनिशा बनर्जी, शोधार्थी सौरभ, शमा परवीन व अमरीन शमसाद का भी सहयोग रहा है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

ओमान, मलयेशिया के विवि के साथ कोर्स शुरू करेगा लविवि

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में ओमान के विवि के कुलपति के साथ एमओयू करते प्रो. आलोक राय। स्रोत : स्वयं

लखनऊ। मलयेशिया और ओमान के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर लखनऊ विवि शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करेगा। इससे दोनों देशों के विद्यार्थी एक-दूसरे के यहां अध्ययन कर पाएंगे। शिक्षकों को भी शोध कार्य करने का मौका मिलेगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गोवा में आयोजित क्यू एस इंडिया समिट में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में ओमान के सोहर विवि और मैनेजमेंट एंड साइंस यूनिवर्सिटी, सेलंगोर मलयेशिया के साथ एमओयू किया। कुलपति ने बताया कि दोनों देशों के साथ ट्विनिंग, जॉइंट और डुअल डिग्री कोर्स शुरू करने पर सहमति बनी है।

प्रो. आलोक ने कहा, हमारा प्रयास है कि लविवि की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर तक बने। इसके लिए लगातार विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया जा रहा है। सोहर विवि और मैनेजमेंट एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ हुए एमओयू से अर्थशास्त्र, प्रबंधन, जैव रसायन और रिन्यूबल एनर्जी से जुड़े कोर्सों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

लविवि का प्रतिनिधिमंडल जाएगा ओमान

- प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सोहर विश्वविद्यालय के साथ संबंधों को विस्तार देने के लिए जल्द लखनऊ विवि के शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल ओमान के लिए रवाना होगा। वहां दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षक एक-दूसरे से समन्वय कर आगे की योजनाओं पर चर्चा करेंगे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

ओमान, मलेशिया जाकर पढ़ सकेंगे एलयू छात्र

लखनऊ। एलयू के विद्यार्थी अब ओमान और मलेशिया में पढ़ सकेंगे। वहां के छात्र-छात्राएं भी एलयू में आकर पढ़ेंगे। दोनों देशों के शिक्षक भी एक दूसरे के यहां जाकर कक्षाएं लेंगे। संयुक्त रिसर्च भी कर सकेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गोवा में क्यू एस इंडिया समिट में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में ओमान संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

एलयू में समर्थ के जरिए प्रवेश की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने आगामी सत्र के लिए समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश लेने की तैयारी की है। इसके लिए एलयू के सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और निदेशकों से सुझाव मांगे गए हैं। इस संबंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से सभी को पत्र जारी किया गया है। उनका कहना है कि एक फरवरी तक सभी सुझाव दे सकते हैं।